



सोया कृषकों के लिए साप्ताहिक सलाह (2026)

Weekly Soybean Advisories for for Soybean Growers (2026)



फा.क्र./File No. टेक 10-6/2026

खरीफ 2026


File. No. Tech 10-6/2026/Weekly Soybean Advisory

Date: 01.06.2026


सोयाबीन कृषकों के लिए साप्ताहिक सलाह / Weekly Advisory for Soybean Farmers (1-7 जून 2026 / 1-7 June 2026)

अत्यंत महत्वपूर्ण/Most important

इस वर्ष अल नीनो बाबत किये गए पूर्वानुमान बाबत कृषकों को सलाह है कि वे कृपया सोयाबीन की खेती के किस्मों के चयन में शीघ्र या मध्यम समयावधि में पकने वाली सोयाबीन किस्मों को प्राथमिकता दे. अल नीनो के कारण सुखें की स्थिति में उत्पादकता में आने वाली संभावित जोखिम को कम करने हेतु कृपया एक से अधिक किस्मों की खेती करने की भी सलाह है.
In light of the forecasts regarding El Niño this year, farmers are advised to give priority to early or medium-duration soybean varieties while selecting soybean cultivars. Furthermore, to mitigate the potential risks to productivity arising from drought conditions caused by El Niño, it is recommended that farmers cultivate more than one variety.

1.	इस वर्ष अल नीनो की संभावित स्थिति के पूर्वानुमान के सन्दर्भ में कृषकों को सलाह है कि वे कृपया सोयाबीन किस्मों के चयन में शीघ्र या मध्यम समयावधि में पकने वाली किस्मों को प्राथमिकता दे (परिशिष्ट अ). In light of the forecasts regarding El Niño this year, farmers are advised to give priority to early or medium-duration soybean varieties while selecting soybean cultivars (Annexure-A).	
2.	अल नीनो के कारण सुखें की स्थिति तथा कीट या रोग के अधिक प्रकोप से सोयाबीन की उत्पादकता में आने वाली संभावित कमी एवं आर्थिक नुकसान की जोखिम देखते 2-3 से अधिक किस्मों की खेती करने की सलाह है. In order to mitigate the potential risks to productivity arising from drought conditions caused by El Niño, as well as outbreak of insect/diseases, farmers are advised to cultivate more than one variety.	
3	मध्य प्रदेश के मालवा क्षेत्र के ऐसे किसान जो सोयाबीन के बाद आलू, प्याज, लहसुन जैसी फसल लेकर गेहूं/चना लगते हो, सोयाबीन की शीघ्र समयावधि वाली किस्म को लगाये. उसी प्रकार वर्ष में केवल दो फसलें लेने वाले कृषक मध्यम/अधिक समय परिपक्वता अवधि वाली किस्मों का चयन करें. The farmers from Malwa region of Madhya Pradesh or similar situation where farmers grow three crops in succession (Soybean: Potato/Garlic/Onion: Wheat/Chickpea for example) are advised to select short duration soybean varieties. Similarly those who are able to take only one succeeding crop after soybean (Wheat/Chickpea) are advised to select medium duration soybean varieties for ensuring maximum soybean yield.	

4	<p>कृषकों को सलाह है कि कृपया चयनित किस्मों की बीज उपलब्धता तथा अंकुरण परिक्षण कर गुणवत्ता (70% अंकुरण) सुनिश्चित करें. Farmers are advised to ensure their seed availability of selected soybean varieties and also ensure its quality by conducting germination test (Minimum 70%).</p>	
5	<p>बीज एवं अन्य आवश्यक आदान की व्यवस्था: सोयाबीन की खेती के लिए आदान (बीज दर, खाद-उर्वरक, फफूंदनाशक, खरपतवारनाशक, जैविक कल्चर और उनकी आवश्यक मात्रा आदि की जानकारी (परिशिष्ट ब में दी गई हैं.) का क्रय एवं उपलब्धता सुनिश्चित करें. Ensure availability of inputs: Ensure availability of other critical inputs (fertilizers, weedicides, fungicides and cultures for seed treatment etc. as given in Annexure-B.</p>	
6	<p>देश के विभिन्न क्षेत्रों में सोयाबीन की बोवनी के उपयुक्त समय की जानकारी तालिका-1 में दी गई है. मध्य क्षेत्र के लिए जून माह के दुसरे सप्ताह से जुलाई माह के प्रथम सप्ताह का समय सबसे उचित होता. लेकिन सलाह है कि मानसून के आगमन के पश्चात ही, न्यूनतम 10 सेमी वर्षा होने की स्थिति में सोयाबीन की बोवनी करें. The second week of June to first week of July is optimum time for sowing of soybean. However, it is advised that the sowing may be done after the arrival of monsoon, ensuring nearly 100 mm rainfall. The zone-wise information about the time of sowing and seed rate is given in Table-1.</p>	
7	<p>उत्पादन में स्थिरता की दृष्टि से 3 वर्ष में एक बार खेत की गहरी जुताई करना लाभकारी होता है. अतः ऐसे किसान जिन्होंने इस पद्धति को नहीं अपनाया है, कृपया इस समय अपने खेत की गहरी जुताई करें. उसके पश्चात विपरीत दिशा में कल्टीवेटर एवं पाटा चलाकर खेत को तैयार करें. सामान्य वर्षों में विपरीत दिशा में दो बार कल्टीवेटर एवं पाटा चलाकर खेत को तैयार करें. Deep summer ploughing once in 3 years, is beneficial practice in order to have yield stability. Therefore, those farmers who have not yet done this, are advised to carry out the same followed by two criss-cross harrowing. In normal years, field may be prepared using criss-cross harrowing followed by planking.</p>	 
8	<p>कार्बनिक खाद का प्रयोग: पोषण प्रबंधन के लिए, अंतिम बखरनी से पूर्व गोबर की खाद (5-10 टन/हे) या मुर्गी की खाद (2.5 टन/हे) को खेत में फैलाकर अच्छे तरह मिला दे. Use of Organic Manure: Apply well-decomposed FYM @ 5-10 t/ha or Poultry Manure @ 2.5 t/ha before the last harrowing.</p>	 <p>गोबर की खाद को खेत में फैलाए.</p>
9	<p>विपरीत मौसम की परिस्थितियों (सुखा, अतिवृष्टि या असामयिक वर्षा) में फसल को बचाने हेतु सलाह है कि सोयाबीन की बोवनी के लिए बी.बी.एफ (चौड़ी क्यारी प्रणाली) या (रिज-फरो पद्धति) कुड-मेड-प्राणाली का चयन करें तथा सम्बंधित यन्त्र या उपकरणों का प्रबंध करें. The unfavorable incidences like drought or heavy rains for prolonged period as well incessant rains have been increasingly reported in recent years. The soybean farmers are requested to use Broad Bed Furrow (BBF) or Ridge & Furrow. This will facilitate managing the crop both in case of waterlogging as well as drought situation.</p>	 <p>चौड़ी क्यारी (BBF) पद्धति से बोवनी</p>  <p>कुड-मेड (रिज फरो) पद्धति से बोवनी</p>

10	<p>बोवनी के लिए अनुशंसित सस्य क्रियाओं का अनुपालन: दूरी: उत्पादन की दृष्टि से प्रति हेक्टेयर पौध संख्या अत्यंत महत्वपूर्ण बिंदु हैं. अतः सोयाबीन किस्म के प्रकार (फैलनेवाली/सीधी बढवार) के अनुसार 30-45 सेमी कतारों पर तथा 5-10 सेमी पौधों की दूरी पर बोवनी करें. Spacing: This is very important parameter to have optimum plant population. The recommended row-to-row spacing for erect type soybean is 30 cm while for spread type it should be 45 cm at 5-10 cm plant to plant distance.</p>			
	<p>सोया किस्म का प्रकार/सस्य क्रिया Growth Habit of variety/ Agronomic Practice</p>	<p>शीघ्र पक्नेवाली/सीधी बढवार वाली सोया किस्में Erect Type/ Early variety</p>	<p>मध्यम समयावधी/फैलने वाली किस्में Spreading/Medium duration</p>	
	कतारों की दूरी row spacing	30 सेमी/cm	45 सेमी/cm	
	पौधों की दूरी plant spacing	5-7 सेमी.cm	5-10 सेमी/cm.	
	बीज दर seed rate*	80-90 किग्रा/हे (kg/ha)	65-70 किग्रा/हे kg/ha.	
	बीज की गहराई sowing depth	2-3 सेमी cm.	2-3 सेमी cm.	
	बोवनी की पद्धति Sowing method	बी.बी.एफ./रिज-फरों/रेज बेड/परंपरागत सीड ड्रिल द्वारा Using BBF/FIRB/Raised Bed method		
<p>पोषक तत्व/उर्वरकों का प्रयोग Application of Nutrients/fertilizer sources 25:60:40:20 एन:पी:के:एस कि.ग्रा./हे.) NPKS (kg/ha)</p>				
	<p><u>जैविक कल्चर-कन्सोर्शिया की अनुपस्थिति में संतुलित पोषक तत्वों की मात्रा Without using consortia</u></p> <ol style="list-style-type: none"> यूरिया 56 कि.ग्रा. + 375-400 कि.ग्रा. सिंगल सुपर फॉस्फेट व 67 किग्रा म्यूरेट ऑफ़ पोटाश अथवा डी.ए.पी 125 किग्रा .+ 67 किग्रा म्यूरेट ऑफ़ पोटाश +25 किग्रा/ हे बेन्टोनेट सल्फर अथवा मिश्रित उर्वरक 12:32:16 @ 200 किग्रा + 25 किग्रा/ हे बेन्टोनेट सल्फर आवश्यकता अनुसार 25 kg जिंक सल्फेट (Zinc Sulphate) +50 kg आयरन सल्फेट (Iron Sulphate) 		<p><u>फफुन्दनाशक+कीटनाशक से बीजोपचार पश्चात जैविक कल्चर-कन्सोर्शिया के प्रयोग से उर्वरकों की संतुलित मात्रा में 25 % कटौती</u></p> <ol style="list-style-type: none"> यूरिया 40 कि.ग्रा. + 280 कि.ग्रा. सिंगल सुपर फॉस्फेट व 50 किग्रा म्यूरेट ऑफ़ पोटाश अथवा डी.ए.पी 100-105 किग्रा .+ 50 किग्रा म्यूरेट ऑफ़ पोटाश +25 किग्रा/ हे बेन्टोनेट सल्फर अथवा मिश्रित उर्वरक 12:32:16 @150 किग्रा + 25 किग्रा/ हे बेन्टोनेट सल्फर आवश्यकता अनुसार 25 kg जिंक सल्फेट (Zinc Sulphate) +50 kg आयरन सल्फेट (Iron Sulphate) 	

तालिका-1 देश के विभिन्न क्षेत्रों के लिए सोयाबीन बोवनी का उपयुक्त समय, एवं बीज दर तथा बोवनी के समय उपयोगी फफूंदनाशक एवं खरपतवार नाशकों की सूची

क्षेत्र	उचित बुआई का समय *	बीज दर (कि.ग्रा./हे.)	एन:पी:के:एस (कि.ग्रा./हे.)	उर्वरकों के स्रोत एवं मात्रा**
मध्य	जून 20- 5जुलाई	65	25:60:40:20	56 कि .ग्रा युरिया, 375कि .ग्रा .सुपर फास्फेट एवं 67कि .ग्रा .म्युरेट ऑफ पोटाश
उत्तर पूर्वी पहाड़ी	15- 30जून	55	25:100:50:50	56 कि .ग्रा युरिया, 625कि .ग्रा .सुपर फास्फेट एवं 84कि .ग्रा .म्युरेट ऑफ पोटाश
उत्तर मैदानी	जून 20- 5जुलाई	65	25:75:25:37.5	56 कि .ग्रा युरिया, 470कि .ग्रा .सुपर फास्फेट एवं 42कि .ग्रा .म्युरेट ऑफ पोटाश
पूर्वी	15- 30जून	55	25:100:50:50	56 कि .ग्रा युरिया, 625कि .ग्रा .सुपर फास्फेट एवं 84कि .ग्रा .म्युरेट ऑफ पोटाश
दक्षिण	15- 30जून	65	25:80:20:30	56 कि .ग्रा युरिया, 500कि .ग्रा .सुपर फास्फेट एवं 34कि.ग्रा .म्युरेट ऑफ पोटाश

* मानसून आगमन पश्चात 100 मिमी. वर्षा होने पर After the onset of monsoon and receipt of 100mm rainfall

** 25% of the recommended quantity can be reduced if microbial consortia is applied as seed inoculation during sowing

Table-1: Zone-wise sowing time, seed rate and list of recommended fungicides and herbicide for soybean

Zone	Time of sowing *	Seed Rate (kg/ha)	NPKS (kg/ha)	Fertilizer Sources and Quantity**
Central	June 20-5 th July	65	25:60:40:20	56 kg Urea+375-400 kg SSP+ 67 kg MOP
North-East Hill	15 th to 30 th June	55	25:100:50:50	56 kg Urea+625 kg SSP+84 kg MOP
Northern Plain	June 20-5 th July	65	25:75:25:37.5	56 kg Urea+470 kg SSP+ 42 kg MOP
Eastern	15 th to 30 th June	55	25:100:50:50	56 kg Urea+625 kg SSP+84 kg MOP
Southern	15 th to 30 th June	65	25:80:20:30	56 kg Urea+500 kg SSP+34 kg MOP

* After the onset of monsoon and receipt of 100mm rainfall

** 25% of the recommended quantity can be reduced if microbial consortia is applied as seed inoculation during sowing

परिशिष्ट अ (Annexure-A): देश के विभिन्न क्षेत्रों के लिए अनुशंसित सोयाबीन की उन्नत किस्में

List of Soybean varieties recommended for different areas.

<p>(मध्य क्षेत्र : मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश का बुन्देलखण्ड भाग, राजस्थान, गुजरात, उत्तर-पश्चिमी महाराष्ट्र Central Zone: Madhya Pradesh, Bundelkhand Region of Uttar Pradesh, Rajasthan, Gujarat, North-West Region of Maharashtra : JS 24-33, NRC 150, JS 21-72, NRC 142, JS 23-03, JS 23-09, MAUS 731, Gujarat Soya 4, JS 22-12, JS 22-16, NRC 165, NRC 157, MAUS 725 (Maharashtra*), Phule Durva (KDS 992 Maharashtra*), RVSM 2011-35, AMS 100-39 (PDKV Amba), MACS 1520, RSC 10-46, RSC 10-52, AMS-MB-5-18 (Suvarn Soya), Gujarat Soybean-4, Sorath Sonali (Gujarat)*, MAUS 725, Phule Durva (KDS 992)*, MAUS 731 (Marathwada)*</p>
--

<p>2. पूर्वी क्षेत्र (छत्तीसगढ़, झारखण्ड, बिहार, उड़ीसा एवं पश्चिम बंगाल Eastern Zone: Chhattisgarh, Jharkhand, Bihar, Orissa and West Bengal एवं</p> <p>3. उत्तर पूर्वी पहाड़ी क्षेत्र: असम, मेघालय, मणीपुर, नागालैण्ड व सिक्किम Northern Hill Zone: Assam, Meghalaya, Manipur, Nagaland, & Sikkim : RSC 11-35, RSC 10-71, RSC 10-52, Birsa Soya-4 (Jharkhand*), MACS 1407, MACS 1460, NRC 128, RSC 11-07 and RSC 10-46</p>
<p>4. उत्तरी मैदानी क्षेत्र: पंजाब, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश के पूर्वी मैदान, मैदानी उत्तराखण्ड व पूर्वी बिहार Northern Plain Zone: Punjab, Haryana, Delhi, North Eastern Plains of Uttar Pradesh, Plains of Uttarakhand and Eastern Bihar: Pusa Soybean 21, NRC 149, Pant Soybean 27, PS 1670, SL 1074, SL 1028, NRC 128, Uttarakhand Black Soybean (Bhat 202-Uttarakhand*) SL 979, SL 955, Pant Soybean 26 (PS 1572), PS 1368, PS 24 (PS 1477), VLS 89</p>
<p>5. उत्तरी पहाड़ी क्षेत्र: हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश व उत्तराखण्ड के पर्वतीय क्षेत्र: (Northern Hill Zone) : शालीमार सोयाबीन-3 (SKAU-S-3), Himachal Pradesh and Hill Region of Uttarakhand NRC 197, VLS 99, Him Palam Soya-1 (Himachal Pradesh*), Pant Soybean 25 (PS 1556), Shalimar Soybean-1 (J&K)</p>
<p>6. दक्षिणी क्षेत्र: कर्नाटक, तमिलनाडु, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश व महाराष्ट्र का दक्षिणी भाग: Southern Zone: Karnataka, Tamil Nadu, Telangana, Andhra Pradesh, Southern Part of Maharashtra: ALSB 50 (Telangana*), MAUS 725 (Maharashtra*), Phule Durva (KDS 992 (Maharashtra*) NRCMACS 1667, NRC 142, MACS 1460, NRC 132, DSb 34, KDS 753 (Phule Kimaya), KBS 23 (Karnataka*)</p>

The varieties in red color belongs to state released category

परिशिष्ट ब (Annexure B) सोयाबीन खेती के लिए आवश्यक आदानों की सूची

1. केन्द्रीय कीटनाशक बोर्ड द्वारा अनुमोदित (31.03.2026) सोयाबीन में बीजोपचार हेतु अनुशंसित रसायन

रसायन	मात्रा	रोग
ट्राइफ्लॉक्सीस्ट्रोबिन 6% + थियोफेनेट मिथाइल 9.5% + थाइमैथोक्सम 24% एफएस	2 मिली/किग्रा बीज	बीज सड़न, अंकुर (तना) सड़न, तना मक्खी और सफेद मक्खी
एज़ोक्सीस्ट्रोबिन 1.5% + कार्बेन्डाजिम 8.0% + थियामेथोक्सम 30% एफएस w/w	100 ग्राम	फ्यूजेरियम जड़ सड़न, फाइटोफथोरा जड़ सड़न, राइजोक्टोनिया अंकुर, ब्लाइट, पाइथियम, अंकुर झुलसा रोग,
एज़ोक्सीस्ट्रोबिन 2.5%+ थायोफेनेट मिथाइल 11.25%+ थायामेथोक्सम 25% एफ. एस.	10 मि.ली./कि.ग्रा. बीज	चारकोल रॉट, एन्थ्रेक्रोज एवं बड ब्लैट, कॉलर रॉट, रूट रॉट, पर्पल सीड स्ट्रेन, फ्राग आई लिफ स्पॉट, नवजात पौध सड़न जैसे बीज जनित रोग
पेनफ्लूफेन+ट्रायफ्लोक्सिस्ट्रोबिन FS	0.8-1 मि.ली./कि.ग्रा. बीज	
कार्बोक्सिन 37.5%+थायरम 37.5%	3 ग्रा./कि.ग्रा. बीज	
कार्बेन्डाजिम 25%+ मेन्कोजेब 50% डब्ल्यू.एस.	3 ग्रा./कि.ग्रा. बीज	
फ्लुक्सापग्रोक्साड 333 g/l SC	1 ml/kg seed	रायजोक्टोनिया रूट रॉट ,कोटीलीडन स्पॉट
थायोमिथोक्सम 30 FS	10 मि.ली./कि.ग्रा. बीज	पीला मोजाईक वायरस
इमिडाक्लोप्रिड 48 FS	1.25 मि.ली./कि.ग्रा.बीज	

1. Chemicals recommended for seed treatment in soybean as per the list approved by CIB (31.03.2026)

Chemical	Quantity	Disease
Trifloxystrobin 6% +Thiophanate Methyl 9.5%+Thiamethoxam 24% FS	2 ml/kg seed	Seedling Rot, stem rot, stem fly and white fly
Azoxystrobin 1.5% + Carbendazim 8.0% + Thiamethoxam 30% FS w/w	100g	Fusarium root rot, phytophthora root rot, rhizoctonia blight, pithium blight
Azoxystrobin 2.5% + Thiophanate-methyl 11.25% + Thiamethoxam 25% FS	10 ml/kg seed	Fusarium Root Rot, Phytophthora Root Rot, Rhizoctonia Seedling Blight
Penflufen Trifloxystrobin FS	0.8–1 ml/kg seed	Seed/Seedling diseases
Carboxin 37.5% + Thiram 37.5%	3 g/kg seed	Collar Rot, Charcoal Rot, other seedling diseases
Carbendazim 25% + Mancozeb 50% WS	3 g/kg seed	Root Rot, Collar Rot
Fluxapyroxad 333 g/l SC	1 ml/kg seed	Rhizoctonia Root Rot, Cotyledonary Spot
B. Seed Treatment at the Time of Sowing (Recommended Insecticides)		
Thiamethoxam 30 FS	10 ml/kg seed	Yellow Mosaic Virus
Imidacloprid 48 FS	1.25 ml/kg seed	Yellow Mosaic Virus

2. केन्द्रीय कीटनाशक बोर्ड द्वारा दिनांक 31.03.2026 को जारी सोयाबीन फसल में अनुशंसित बौवनी पूर्व एवं बौवनी के तुरंत बाद उपयोगी खपतवारनाशकों की सूची

क्रं.	खपतवारनाशक का प्रकार	रासायनिक नाम	मात्रा/हेक्टे.
1	बौवनी पूर्व उपयोगी (PPI)	डायक्लोसुलम+ पेण्डीमिथालीन (22.5 + 875 सक्रीय तत्व/ha)	2.5 l
		पेण्डीमिथालीन+इमेझेथापायर	2.5-3.0 ली.
		फ्लूक्लोरलिन 45% EC	2.22-3.33 l/ha
2	बौवनी के तुरन्त बाद(पीई)	पाइरोक्सासल्फोन 63.75 % + डाइक्लोसुलम 13.00 % W/W WG	200 ग्रा.
		मेटोलाक्लोर 35.98% + सल्फेंट्राजोन 11.51% w/w EC	2.5ली.
		डायक्लोसुलम+ पेण्डीमिथालीन (22.5 + 875 सक्रीय तत्व/ha)	2.5 l
		डायक्लोसुलम 84 डब्ल्यू.डी.जी.	26-30 ग्राम
		सल्फेन्ट्राजोन 39.6 एस.सी.	0.75 ली.
		क्लोमोझोन 50 ई.सी.	1.50 - 2.00 ली.
		पेण्डीमिथालीन 30 ई.सी.	2.50-3.30 ली.
		पेण्डीमिथालीन 38.7 सी.एस.	1.50-1.75 कि.ग्रा.
		फ्लूमिआक्साझिन 50 एस.सी.	0.25 ली.

	मेट्रीब्युझिन 70 डब्ल्यू.पी.	0.75-1.00 कि.ग्रा.
	सल्फेन्ट्राझोन+क्लोमोझोन	1.25 ली.
	पायरोक्सासल्फोन 85 डब्ल्यू.जी.	150 ग्रा.
	मेटालोक्लोर 50 ई.सी.	2.00 ली.

2. List of herbicides PPI and PE herbicides recommended for soybean (as per CIB lable claims 31.03.2026)

S.No.	Application Timing	Chemical Name / Formulation	Dose per Hectare
1	Pre-Plant Incorporation (PPI)	Diclosulam 0.9% + Pendimethalin 35% SE (22.5 + 875 a.i. ha)	2.51 L
		Pendimethalin + Imazethapyr	2.5–3.0 L
		Fluchloralin 45% EC	2.22–3.33 L
2	Pre-Emergence (PE) (Immediately after sowing)	Pyroxasulfone 63.75% + Diclosulam 13.00% W/W WG	200 g
		Metolachlor 35.98% + Sulfentrazone 11.51% w/w EC	2.5 L
		Diclosulam 0.9% + Pendimethalin 35% SE	2.51 L
		Diclosulam 84 WDG	26–30 g
		Sulfentrazone 39.6 SC	0.75 L
		Clomazone 50 EC	1.50–2.00 L
		Pendimethalin 30 EC	2.50–3.30 L
		Pendimethalin 38.7 CS	1.50–1.75 kg
		Flumioxazin 50 SC	0.25 L
		Metribuzin 70 WP	0.75–1.00 kg
		Sulfentrazone + Clomazone	1.25 L
		Pyroxasulfone 85 WG	150 g
		Metolachlor 50 EC	2.00 L
